लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 20

04 फरवरी, 2019 को उत्तर के लिए

सेल द्वारा रेल उत्पादन

20. श्री नलीन कुमार कटीलः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसएआईएल) रेल पटरी के नवीकरण और क्षमता वृद्धि हेतु भारतीय रेल की नई रेल पटरियों की मांग को पूरा करने में असमर्थ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और विगत तीन वर्षों के दौरान सेल द्वारा प्राप्त मांग का ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सेल ने भारतीय रेल सहित सभी एजेंसियों की अपेक्षित मात्रा की आपूर्ति करने हेतु क्या कदम उठाए हैं; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): वर्ष 2018-19 के दौरान भारतीय रेलवे ने रेल पटरी के नवीकरण और क्षमता वृद्धि के लिए लगभग 14 लाख टन रेल पटरियों की आवश्यकता सूचित की है। इस माँग को पूरा करने के लिए स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने लगभग 10 लाख टन रेल पटरियों की आपूर्ति का वादा किया है।

(ख): वर्ष 2014-15 से भारतीय रेलवे से रेल पटरियों की माँग और सेल द्वारा तद्नुसार की गई आपूर्ति को तालिका में दर्शाया गया है:-

(इकाई: हजार टन में)

वर्ष	भारतीय रेलवे की माँग	सेल द्वारा की गई आपूर्ति
2014-15	581	584
2015-16	812	646
2016-17	1005	620
2017-18	1145	874

(ग) और (घ): भिलाई इस्पात संयंत्र ने सेल के अधीन अन्य एकीकृत इस्पात संयंत्रों के साथ मिलकर क्रूड इस्पात की क्षमता को 3.93 एमटीपीए से 7.0 एमटीपीए तक बढ़ाते हुए आधुनिकीकरण और विस्तारण योजना (एमओडीईएक्स) कार्य आरंभ किया है। इसमें 1.2 एमटीपीए क्षमता के यूनिवर्सल रेल मिल का संस्थापन शामिल है। सेल ने रेलवे की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए पटरी की विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने हेतु भिलाई इस्पात संयंत्र में "यूनिवर्सल रेल मिल" की स्थापना की। यूनिवर्सल रेल मिल (यूआरएम) से उत्पादन नवंबर 2016 से शुरू हो गया है।

****